संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

एक देश, एक धड़कन

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 5 • मई 2025

Volume 3 • Issue 5 • May, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

पंद्रहवीं तथा सोलहवीं सदी में विज्ञान के पुनर्गठन के लिए गणित विषय की मदद मिली। चित्रकला में भी गणित को स्थान मिला। चित्रकारों ने अपनी कलाकृति में गणित के नियमों का उपयोग करना शुरू कर दिया। मनुष्य को प्रमाणबद्धता के सूत्र में बांधकर चित्रकला के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा गया। प्रमाणबद्धता का विज्ञान क्या होता है, यह जानने के लिए 'ड्यूरर' इटली चले गए। आगे उन्होंने जर्मनी के कलाकारों को इस ज्ञान से अवगत कराया। उन्होंने प्रमाणबद्धता के सूत्र का न केवल मनुष्य बल्कि जन्तुओं (खासकर घोड़े) तथा भवन निर्माण के संबंध में विवेचन किया। इस युग की यही विशेषता रही कि यहाँ गणित के नियमों को प्रमाणबद्धता के सूत्र में अहम् स्थान प्राप्त हुआ। चित्रकारों ने इस सूत्र का उपयोग करके अपनी कलाकृतियों को अधिक सुंदर बनाया।

पुनरुत्थान युग के कलाकारों ने शरीर-रचना को लेकर इतना सूक्ष्म तथा विस्तृत कार्य किया कि उनका इस मामले में योगदान विशेष रहा। लिओनार्दो ने शरीर रचना से संबंधित कई चित्रों का निर्माण किया। उनके अनुसार जिस कलाकार ने मनुष्य की आकृति निकालने में प्रभुत्व हासिल नहीं किया हो, वह सफल चित्रकार नहीं बन सकता। लिओनार्दो ने चित्रकारिता में मानवीय शरीर को अधिक महत्व दिया। मानव ईश्वर का रूप है और वह प्रकृति की परिभाषा करने में समर्थ है। वह अन्य जीवों से महान है। इसीलिए मानव का चित्रण जिसमें होता है, वह महान कलाकृति बन सकती है। मानव ईश्वर की सबसे महान रचना है, ऐसा लियोनार्दो का कहना है।

शरीर विज्ञान तथा गणित के माध्यम से प्राप्त बातों का कलाकार को संचयन करना चाहिए। नई वस्तुओं की प्रतिमाओं की धारणा कलाकार को इंद्रिय तथा बुद्धि के माध्यम से अपनी स्मृति में करनी चाहिए। लिओनार्दो ने अपने विद्यार्थियों को सिखाया कि विश्रांति के समय कलाकार को अपनी कलाकृति पर विचार करना चाहिए। अपनी स्मृति में कलाकार ने जिन स्मृतियों को अंकित किया था, उन्हें उसे प्रकाश में लाना चाहिए। अपनी कला का उसे स्वयं मूल्यांकन भी करना चाहिए।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

मई 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 164वीं जयंती मनाते हुए सीसीआरटी और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने मिलकर 09 मई 2025 को भारतीय कठपुतली कला पर एकदिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कला उत्सव 2023 और 2024 के विजेताओं के लिए 'प्रतिभा संवर्धन' पहल के तहत देश भर से 103 प्रतिभाशाली छात्रों और शिक्षकों को एक साथ लाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसके बाद सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, एनसीईआरटी के कला और सौंदर्यशास्त्र शिक्षा विभाग की प्रमुख प्रो. ज्योत्सना तिवारी और सीसीआरटी के निदेशक श्री राजीव कुमार ने प्रेरक उद्घाटन भाषण दिए। इस एकदिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने कठपुतली निर्माण, प्रदर्शन और सामूहिक कहानी कहने की बारीकियों को सीखते हुए एक गहन व्यावहारिक कठपुतली कार्यशाला में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में देश भर से 103 छात्र और शिक्षक प्रतिभागियों ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन और विरासत पर आधारित एक आकर्षक कठपुतली शो प्रस्तुत किया और इसमें दिन भर की कार्यशाला के दौरान उन्होंने खुद की डिजाइन और तैयार की गई कठपुतलियों का उपयोग किया। भारतीय कठपुतली की विरासत को सीखने से लेकर अपने स्वयं के चरित्र बनाने और उन्हें मंच पर जीवंत करने तक पूरी यात्रा 'अवधारणा से प्रदर्शन तक' केवल एक दिन के भीतर सामने आई। इस मनोरंजक कार्यक्रम के माध्यम से न केवल गुरुदेव टैगोर की 164वीं जयंती मनाई गई बल्कि एनईपी-2020 के तहत कला-एकीकृत शिक्षा की भावना को भी खूबसूरती से दर्शाया गया।

तिरंगे (केसरिया, सफेद और हरे रंग) में लिपटे सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली और हैदराबाद, गुवाहाटी और दमोह में इसके क्षेत्रीय केंद्रों ने हमारे बहादुर सैनिकों के प्रति अपनी सराहना और आभार प्रकट किया।

सीसीआरटी द्वारा 16 मई 2025 को 'एक देश, एक धड़कन' अभियान के अंतर्गत एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय था "शिक्षा और सांस्कृतिक एकता में संग्रहालयों की भूमिका", जिसमें देशभर से 112 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में सीसीआरटी द्वारा प्रशिक्षित शिक्षक, जिला स्रोत व्यक्ति (डीआरपी) और डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी (डीडीआर) के कहानी योगदानकर्ता शामिल थे।

इस अवसर पर सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए संग्रहालयों को शिक्षा का एक प्रभावशाली माध्यम बताते हुए सांस्कृतिक एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

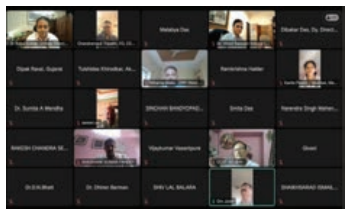

विश्व संग्रहालय दिवस के उपलक्ष्य में सीसीआरटी द्वारा अपने छात्रवृत्तिधारकों और अध्येताओं के लिए 17 मई 2025 को अपराह्न 3 बजे 'तेजी से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य' शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में देशभर से प्रतिष्ठित वक्ताओं और विशेषज्ञों की सहभागिता रही जिनमें श्री बी.एन. आर्यन, डॉ. जी. एस. ख्वाजा, डॉ. नितिन कुमार, श्री दिनेश कुमार गोयल तथा सुश्री मधुरिमा मुखर्जी जैसी विद्वान विभूतियाँ शामिल हुईं। इस वेबिनार में सीसीआरटी के लगभग 200 छात्रवृत्तिधारकों एवं अध्येताओं के साथ-साथ विभिन्न राज्यों से शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी शामिल हुईं।

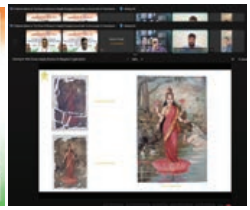

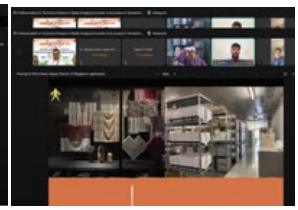
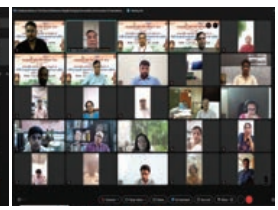

'एक देश एक धड़कन' अभियान के अंतर्गत श्री सरस्वती हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज (महाराष्ट्र) के छात्रों और सीसीआरटी डीआरपी डॉ. शिवाजी गोविंदराव म्हस्के ने हमारी स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले बहादुर सैनिकों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के लिए तिरंगा रैली में भाग लिया।

सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा सर्वोदय कन्या विद्यालय, पालम एवं डॉ. बी. आर. अम्बेडकर, स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, सेक्टर 22, द्वारका के 106 छात्र-छात्राओं के लिए 'अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' पर समर्पित शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन राष्ट्रीय संग्रहालय में किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना तथा समाज में संग्रहालय के महत्व को समझा एवं अनुभव किया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' के अवसर पर 'रानी दमयंती पुरातत्व संग्रहालय' दमोह में शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दमोह के लगभग 50 छात्राओं को शैक्षिणक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान तिरंगा के सम्मान में छात्राओं के द्वारा तिरंगा लहराया गया तथा ऑपरेशन सिंदूर के बहादुर देश के वीरों के शौर्य को याद कर राष्ट्रीयता एवं भारतीयता की भावना को उच्चतम स्तर पर प्रेरित किया गया।

'अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' के अवसर पर, सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद ने अमन वेदिका एनजीओ के 80 से अधिक बच्चों को सालार जंग संग्रहालय और पुस्तकालय का भ्रमण कराया। इस यात्रा का उद्देश्य इन युवाओं को हैदराबाद की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराना था।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' के अवसर पर बाल अधिकारिता विभाग, उदयपुर के अन्तर्गत संचालित राजकीय किशोर गृह व बालिका गृह के 60 बालक-बालिकाओं को 18 मई 2025 को भारतीय लोक कला मंडल संग्रहालय, उदयपुर का शैक्षिणक भ्रमण कराया गया, जहाँ मुख्यत: आदिवासी संस्कृति से सम्बन्धित कला, शिल्प इत्यादि की जानकारी दी गई।

'अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' के अवसर पर सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी द्वारा बाघरबाड़ी हाई स्कूल के 62 छात्रों को असम राज्य संग्रहालय और राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र के एक प्रेरक दौरे पर ले जाया गया, जो उनके लिए सांस्कृतिक विरासत से लेकर वैज्ञानिक चमत्कारों तक सीखने, खोज और आनंद का दिन रहा।

सीसीआरटी के छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति अनुभाग ने अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के उपलक्ष्य में 17 मई 2025 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश के सात व्याख्या केंद्रों पर एकदिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया और प्रभातफेरी निकाली गई, जिसके बाद चित्रकला प्रतियोगिता हुई, जिसमें बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

सीसीआरटी ने 19 से 25 मई 2025 तक अपने मुख्यालय परिसर में 'एक देश एक धड़कन' विषय पर 'राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव: विविधता में एकता' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से आए 40 छात्रवृत्तिधारकों ने भाग लिया। 'सिद्धि समारोह' का शुभारंभ मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डॉ. सतीश चंद्रा, दिल्ली उच्च न्यायालय, एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. माला चंद्रा, सहायक प्रोफेसर, संस्कृति संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रसिद्ध गोंड कलाकार श्री गोविंद विश्वकर्मा के निर्देशन में प्रस्तुत चित्रकला प्रदर्शनी में छात्रवृत्तिधारकों और युवा कलाकारों की रचनात्मक कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं।

उत्सव की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में तीन प्रमुख कार्यक्रम शामिल थे:

'बंदिश एक, राग अनेक' – डॉ. भूपेंद्र मल्होत्रा (इंदौर घराना) द्वारा निर्देशित गायन और वाद्य यंत्रों की सामूहिक प्रस्तुति।

'नाद यज्ञ' – डॉ. श्रीकांत शुक्ला (लखनऊ घराना) के निर्देशन में आत्मविभोर कर देने वाली सामूहिक वाद्य प्रस्तुति।

'धृति-नृत्य की धड़कन' – सुप्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना सुश्री रश्मि खन्ना द्वारा निर्देशित जीवंत नृत्य नाटिका।

सीसीआरटी मुख्यालय में 21 मई 2025 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। सीसीआरटी के अध्यक्ष, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव के प्रतिभागियों और विशेषज्ञों ने आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने और शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की शपथ ली।

सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश में 'इंद्रधनुष 2025' ग्रीष्मकालीन शिविर दिनांक 21 से 30 मई 2025 तक आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मकालीन शिविर में शास्त्रीय नृत्य,नाट्यकला, रचनात्मक लेखन, भारतीय भाषाओं के गीत एवं पारंपरिक हस्तकला विद्याओं का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 7 से 16 वर्ष आयु के बच्चों को पंजीकृत किया गया।

सीसीआरटी द्वारा 23 मई 2025 को प्रस्तुत महानाट्य "करेंगे रक्षा सिंदूर की" की भावपूर्ण प्रस्तुति भारत के उन वीरों को समर्पित थी, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। नृत्य, नाट्य और संगीत के अद्भुत संयोजन के साथ सीसीआरटी अध्यक्ष डॉ विनोद नारायण इन्दुरकर के निर्देशन में यह प्रस्तुति विशेष रूप से तिरंगे को समर्पित थी, जो न केवल हमारी आजादी का प्रतीक है बल्कि हर भारतीय के आत्मसम्मान की पहचान भी है।

सीसीआरटी ने 26 से 30 मई 2025 तक नॉलेज पार्क V, नोएडा, उत्तर प्रदेश में डीपीएस के सहयोग से ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया। पश्चिम बंगाल के प्रख्यात छऊ नृत्य कलाकार श्री भोला नाथ कुमार को छात्रों के बीच छऊ नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया। इस शिविर में 40 छात्रों ने भाग लिया।

एक सहयोगात्मक पहल के हिस्से के रूप में छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति अनुभाग, सीसीआरटी ने 26 से 30 मई 2025 तक दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), नॉलेज पार्क V, नोएडा, उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए समर कैंप आयोजित करने के लिए अपने दो पूर्व छात्रों – थिएटर के क्षेत्र में श्री अनवर अली और भरतनाट्यम के क्षेत्र में सुश्री सुबाश्री अरविंद को नियुक्त किया।

एक सहयोगात्मक पहल के हिस्से के रूप में छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति अनुभाग, सीसीआरटी ने 'करदाता हब' कार्यक्रम के उद्घाटन दिवस के दौरान शेर नृत्य समूह प्रदर्शन प्रस्तुत किया जिसका आयोजन जनसंपर्क, मुद्रण और प्रकाशन निदेशालय, सीबीडीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 27 से 29 मई 2025 तक सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में किया गया था।

27 मई से 06 जून 2025 तक सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली में 'ग्रीष्मकालीन शिविर इंद्रधनुष – 2025' का आयोजन किया गया। इस शिविर में 07–16 वर्ष आयु वर्ग के 274 बच्चों ने भाग लिया। प्रतिभागी बच्चों ने विभिन्न कला रूपों को सीखा और पारंपरिक शिल्प पर व्यावहारिक कक्षाओं में भाग लिया। देश के विभिन्न हिस्सों से आमंत्रित विषय विशेषज्ञों और शिल्पकारों ने शिविर में कक्षाएं संचालित कीं।

सीसीआरटी द्वारा अपने स्थापना दिवस एवं माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती के अवसर पर 31 मई 2025 को एक विशेष महानाट्य प्रस्तुति 'कर्मयोगिनी माता अहिल्या' का आयोजन किया गया।

सीसीआरटी के स्थापना दिवस (31 मई) के अवसर पर मुख्यालय में आयोजित तिरंगा रैली देशभक्ति का जीवंत प्रदर्शन थी। इसके सभी अधिकारी, कर्मचारी और ग्रीष्मकालीन शिविर के प्रतिभागी बच्चे देशभक्ति की भावना का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :

डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :

श्री वाई. चन्द्र शेखर, परामर्शक
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना

श्री ओम प्रकाश शर्मा, परामर्शक
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान

श्री निरंजन भुइयां, परामर्शक
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम

श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर